E
Batch - 2020-21

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (द्वितीय वर्ष)

परीक्षा : मई – २०२२

सत्र – ४

विषय : आधुनिक काव्य (भाग–२) (HDS - 401)

दि.: २३/०५/२०२२ **कुल अंक : १००** **समय : दो २.०० से दो ५.३०**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ 'ग्राम्या' में चित्रित मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

प्र. २ 'ग्राम्या' काव्य संग्रह के भाव पक्ष एवं कला पक्ष पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ३ 'ग्राम्या' की कविताएँ ग्राम जीवन के दुःख, विपन्नता एवं उल्लास का सजीव चित्र उपस्थित करती हैं – ग्राम्या की पठित कविताओं के आधार पर उपर्युक्त कथन को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ४ कवि अज्ञेय की कविताओं की विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ५ कवि रघुवीर सहाय की कविताओं में अभिव्यक्त भावों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

प्र. ६ कवि रामशेर बहादुर की कविताओं में अभिव्यक्त व्यंग्य एवं बिंब विधान को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ७ 'जहाँ शब्द है ' काव्य संग्रह की कविताओं का सोदाहरण मूल्यांकन कीजिए ।

प्र. ८ 'जहाँ शब्द है' काव्य संग्रह की कविताएँ समाज के लगभग सभी स्तरों पर प्रकाश डालनेवाली हैं – पठित कविताओं के आधार पर उपर्युक्त विधान का विवेचन कीजिए ।

प्र. ९ **निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।**

१) अधफटे, कुचैले जीर्ण वसन, ज्यों मिट्टी के ही बने हुए,
ये गँवई लड़के, भू–के धन !

२) चाँदी की स्वर्णिम रेती, फिर स्वर्णिम गंगा धारा,
जिस के निश्चल उर पर विजडित, रत्नछाया नभ सारा ।

३) कितनी शांति ! कितनी शांति !!
क्यों समाहित नहीं होती यहाँ आकर मेरे मन की शांति?

४) होगी क्या गीता जी पढ़ने सें स्थिर मति ये?
लाखों, करोडों अनिकेत इस देश में ?

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१) ग्राम वधू

२) 'बापू' कविता के भाव

३) 'नदी के द्वीप' कविता का कथ्य

४) 'नया ?' कविता का व्यंग्य-भाव